हरिभूमि
झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि
रोहतक, मंगलवार 23 जून 2026

11 लंबित मांगों को लेकर सफाई कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

12 लेफ्टिनेंट बने राकेश काजला को किया सम्मानित

खबर संक्षेप

एसआईआर के बीच साइबर ठगी से सावधान रहें मतदाता : डीसी

झज्जर। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने जिला के नागरिकों से एसआईआर अभियान के दौरान सतर्क रहने और किसी भी प्रकार की वित्तीय या साइबर धोखाधड़ी से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि जिला के सभी मतदाता यह सुनिश्चित करें कि वे केवल अधिकृत बीएलओ को ही आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं तथा किसी भी अनजान व्यक्ति, फर्जी कॉल या संदिग्ध संदेश के झांसे में न आएं। उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान चुनाव आयोग अथवा बीएलओ द्वारा किसी भी मतदाता से बैंक खाते की जानकारी, एटीएम कार्ड नंबर, यूपीआई विवरण, ओटीपी, पासवर्ड अथवा किसी प्रकार की भुगतान संबंधी जानकारी नहीं मांगी जाती है। यदि कोई व्यक्ति एसआईआर या मतदाता सत्यापन के नाम पर बैंकिंग अथवा वित्तीय जानकारी मांगता है तो उसकी सूचना तुरंत संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों अथवा साइबर हेल्पलाइन को दें।

गाड़ी की टक्कर से स्कूटी सवार घायल

झज्जर। क्षेत्र के गांव डावला के नजदीक एक तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर से स्कूटी सवार एक महिला घायल हो गई। पुलिस को दी शिकायत में जिले के हसनपुर निवासी सोनी ने बताया कि जब वह 20 जून को अपनी स्कूटी पर झज्जर से हसनपुर जा रही थी तो डावला गांव के नजदीक उसे एक गाड़ी ने टक्कर मार दी, जिसमें वहघायल हो गई। उसके बाद राहगीरों की सहायता से उसे उपचार के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां वह उपचाराधीन है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज करते हुए नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

आसौदा आईटीआई में रोजगार मेला आज

बहादुरगढ़। आसौदा के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में मंगलवार को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। प्रधानाचार्य राजेश राणा ने बताया कि मेले में जिले की 8 कंपनियां भाग लेंगी। इस दौरान वे छात्र-छात्राओं का अप्रेंटिस/जॉब के लिए चयन करेंगी।

सफाई के दावे कर शासन और प्रशासन ने नालों की बदहाली पर आंखें मूंदीं, कई सड़कें गंदे पानी से लबालब

बहादुरगढ़ शहर में गंदगी से बीमारियां फैलने का खतरा

मानसून से पहले ओवरफ्लो सीवर ने बढ़ाई शहर की टेंशन, नाले कूड़े से भरे होने पर जलनिकासी ठप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

मानसून की दस्तक से पहले ही बहादुरगढ़ शहर जलभराव और खराब जलनिकासी व्यवस्था की समस्या से जूझ रहा है। शहर के कई इलाकों में नाले और सीवर ओवरफ्लो हो रहे हैं, जिसके चलते गंदा पानी सड़कों पर जमा है। हालात यह हैं कि लोगों का सामान्य आवागमन प्रभावित हो रहा है और राहगीरों को बदबू तथा गंदगी के बीच से गुजरना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई और जल निकासी की व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो मानसून के दौरान शहर के कई हिस्सों में गंभीर जलभराव की स्थिति पैदा हो सकती है।

सिटी पल्स

शहर के मांडोठी बाजार, लाइनपार बराही फाटक, शास्त्री नगर, देव नगर व महाबीर पार्क समेत विभिन्न कॉलोनियों और बाजारों में नालों की नियमित सफाई नहीं होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। कई जगहों पर नालों में कूड़ा जमा होने से पानी की निकासी बाधित हो गई है। इससे न केवल लोगों को परेशानी हो रही है बल्कि मच्छरों के पनपने और डेंगू व मलेरिया जैसी बीमारियों के फैलने का खतरा भी बढ़ गया है। गत वर्षों में मानसून के दौरान बहादुरगढ़ के कई हिस्सों में जलभराव की समस्या सामने आ चुकी है। कई कॉलोनियों में घरों तक पानी पहुंच गया था और लोगों को भारी नुकसान उठाना पड़ा था। ऐसे में इस बार भी मानसून से पहले शहर की स्थिति को देखकर नागरिकों में चिंता बढ़ने लगी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर परिषद और संबंधित विभागों द्वारा हर साल मानसून से पहले बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात में कोई खास सुधार दिखाई नहीं देता। नागरिकों ने प्रशासन से तत्काल नालों की सफाई, सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने और जल निकासी के स्थायी समाधान की मांग की है।

मांडोठी बाजार में नरक से कम नहीं हालात, दुकानदारों का बैठना तक हुआ दूभर

बहादुरगढ़। मांडोठी बाजार में सड़क पर फैले गंदे पानी से गुजरते नागरिक। यहां हर समय हादसा होने का खतरा भी मंडराता रहता है।

हल्की बरसात में ही पानी से भर जाती हैं सड़कें

प्रदीप दलाल के अनुसार बाजारों में दुकानों के सामने गंदा पानी जमा रहता है। ग्राहकों को आने-जाने में परेशानी होती है। बदबू इतनी अधिक है कि दुकान पर बैठना मुश्किल हो जाता है। मानसून शुरू होने से पहले व्यवस्था ठीक नहीं हुई तो हालात और खराब होंगे। जल निकासी की व्यवस्था लंबे समय से कमजोर है। थोड़ी सी बारिश में ही सड़कें तालाब बन जाती हैं। संबंधित विभागों को स्थायी योजना बनानी चाहिए ताकि लोगों को हर साल इस परेशानी का सामना न करना पड़े।

देव नगर में सीवर ओवरफ्लो से हालात बदतर लोगों ने दो दिन बाद तालाबंदी की दी चेतावनी

बहादुरगढ़। देव नगर की गली नंबर-1 में सीवर ओवरफ्लो होने के कारण लोग परेशान हैं। सीवर का गंदा पानी गली में जमा होने के कारण लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को आवागमन में सर्वाधिक परेशानी हो रही है। महेंद्र गहलोत, रामकुमार जून, दिलबाग दलाल वीरेंद्र पंडित, जितेंद्र पंडित, प्रवीण पंडित, मुकेश जांगड़ा व मास्टर जय भगवान दलाल ने बताया कि यह समस्या पिछले कई वर्षों से बनी हुई है। पार्षद बलराम दलाल उर्फ मिंटू पहलवान और प्रभावित लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर अगले दो दिनों में समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो बुधवार को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यालय के बाहर धरना दिया जाएगा। जरूरत पड़ने पर कार्यालय पर ताला जड़ने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

बढ़ गए हैं मच्छर

सिद्धार्थ वत्स ने बताया कि सफाई के अभाव में नालों का पानी सड़क पर आ जाता है। बच्चों और बुजुर्गों को निकलने में परेशानी होती है। मच्छर भी बहुत बढ़ गए हैं। यदि मानसून से पहले प्रशासन ने प्रभावी कदम नहीं उठाए तो बहादुरगढ़ को एक बार फिर जलभराव, गंदगी और बीमारियों की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

प्रशासन के दावे फेल

कुलदीप गहलोत ने बताया कि हर साल मानसून से पहले नालों की सफाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत कुछ और है। कई जगह नाले पूरी तरह कूड़े से भरे पड़े हैं। यदि अभी तैयारी नहीं हुई तो शहर में जलभराव तय है। गंदे पानी के कारण संक्रमण और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

व्यापारियों ने रेलवे आरक्षण केंद्र को शहर के अंदर खोलने की मांग की

- रेलवे अधिकारियों को कहा- स्टेशन पर ही आरक्षण केंद्र खोलने से बनी रहेगी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

शहर में बंद हुए रेलवे आरक्षण केंद्र को पुनः शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। यह सफलता हरियाणा व्यापार मंडल के प्रयासों से मिली है। लेकिन इस आरक्षण खिड़की को रेलवे स्टेशन परिसर में खोलने की तैयारी की जा रही है जबकि पहले इसे शहर के अंदर खोलने की मंजूरी मिली थी। इस विषय को लेकर सोमवार को हरियाणा व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष केशव सिंगल, शहरी युवा अध्यक्ष सुनील यादव, व्यापारी अमित गोयल, पंडित गुलशन शर्मा तथा कृष्ण बसवाल ने रेलवे अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि यदि आरक्षण केंद्र शहर के अंदर खोला जाता है तो व्यापारियों, सैनिकों, वरिष्ठ नागरिकों तथा आम जनता को अधिक सुविधा मिलेगी। लोगों को टिकट आरक्षण के लिए रेलवे स्टेशन तक नहीं जाना पड़ेगा और शहर के बीचों-बीच बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने बताया कि रेलवे आरक्षण खिड़की को शहर में खुलवाने की मांग को लेकर डीसी से भी मुलाकात करेंगे।

झज्जर। आरक्षण खिड़की शहर में खोलने की मांग को लेकर स्टेशन पहुंचे व्यापारी।

निर्माण के एक माह बाद ही उखड़ने लगी थी सड़क, लोगों ने जताया था रोष

सूरजमल वाली गली में सड़क की मरम्मत शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर की सूरजमल वाली गली में हाल ही में हुए सड़क निर्माण में सामने आई खामियों को लेकर हरिभूमि द्वारा प्रकाशित खबर का असर देखने को मिला है। गली निर्माण के कुछ ही दिनों बाद उखड़ने लगी थी, जिससे स्थानीय लोगों में रोष था। इस मामले को हरिभूमि ने 19 जून के अंक में सिटी पल्स मुहिम के तहत प्रमुखता से उठाया था।

हरिभूमि इंपेक्ट

खबर प्रकाशित होने के बाद नगर परिषद और ठेकेदार हरकत में आए हैं। रविवार रात को ठेकेदार द्वारा गली में उखड़े हुए हिस्सों की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों को दोबारा ठीक किया जा रहा है ताकि लोगों को बेहतर सुविधा मिल सके। स्थानीय निवासी महेंद्र बल्ली, सुभाष किंद्रा, श्याम मुंजाल, सुरेश दलाल व राजकुमार आदि ने बताया कि सड़क का निर्माण पिछले महीने ही कराया गया था, लेकिन निर्माण गुणवत्ता पर सवाल तब खड़े हो गए जब सड़क कुछ ही समय में कई जगहों से उखड़ने लगी। लोगों ने निर्माण कार्य में लापरवाही और घटिया सामग्री के इस्तेमाल की आशंका जताई थी। हरिभूमि द्वारा मामला उठाए जाने के बाद अब सड़क की मरम्मत शुरू होने से क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली है। हालांकि नागरिकों का कहना है कि केवल मरम्मत ही नहीं, बल्कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की भी जांच होनी चाहिए। क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई है कि परिषद निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करेगा और विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाएगा। वहीं, लोगों ने जनहित से जुड़े मुद्दों को उठाने के लिए हरिभूमि की सिटी प्लस मुहिम की सराहना भी की।

बहादुरगढ़। मरम्मत के लिए उखाड़ी गई सूरजमल वाली गली।

19 जून को प्रकाशित खबर।

बाइक की टक्कर से घायल साइकिल सवार ने पीजीआई में तोड़ा दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को हुए हादसे में घायल हुए साइकिल सवार की पीजीआई में उपचार के दौरान मौत हो गई। बता दें कि नूना माजरा के राजेश की साइकिल में अज्ञात बाइक सवार ने टक्कर मार दी थी और फरार हो गया था। उसे कल पीजीआई में भर्ती करवाया गया था, लेकिन सोमवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई सतेंद्र के बयान के आधार पर अज्ञात बाइक सवार के विरुद्ध केस दर्ज किया है। पुलिस आरोपी बाइक सवार की तलाश कर रही है। इसके साथ ही पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

एपीके फाइल खोलते ही खाते से उड़े 92 हजार

शेखुपुर जट्ट निवासी अश्वनी के साथ हुई साइबर धोखाधड़ी

व्हाट्सएप पर आई थी फाइल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

साइबर अपराधियों द्वारा एपीके फाइल के माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बनाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। कुछ इसी प्रकार की ठगी क्षेत्र के गांव शेखुपुर जट्ट निवासी अश्वनी के साथ भी हुई है। पुलिस को दी शिकायत में उसने बताया कि वह बहादुरगढ़ स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। बीती 31 मई को उसके व्हाट्सएप नंबर पर एक एपीके फाइल प्राप्त हुई। उसने उस फाइल को खोला तो उसका मोबाइल ठीक से काम करना छोड़ गया। उसने सोचा कि मोबाइल में डाटा अधिक होने के कारण ऐसा हो रहा है इसलिए उसने इसे सामान्य तकनीकी समस्या समझा। अश्वनी के अनुसार उसने जब बीती आठ जून को अपने एक मित्र को पैसे भेजने का प्रयास किया और जब खाते में अपर्याप्त राशि का मैसेज दिखाई दिया तो उसके होश उड़ गए। जब उसने बैंक खाते की ट्रांजेक्शन हिस्ट्री देखी तो पता चला कि उसके खाते से 92 हजार रुपये की धोखाधड़ी हुई है। ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने इसकी शिकायत साइबर क्राइम पोर्टल पर की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज करते हुए नियमानुसार आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

आम बैठक में सर्वसम्मति से फैसला

बाबा कांशीगिरी मंदिर समिति के प्रधान बने सुधांशु हंस

झज्जर। कमेटी सदस्यों के साथ नवनिर्वाचित प्रधान सुधांशु हंस।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

बाबा कांशीगिरी मंदिर कमेटी सदस्यों की आम बैठक में सुधांशु हंस को सर्वसम्मति से प्रधान चुना गया है। कमेटी के वरिष्ठ सदस्य वीके नरूला की अध्यक्षता में हुई बैठक में बीते वर्ष का लेखा जोखा भी प्रस्तुत किया गया। नवचयनित प्रधान सुधांशु हंस ने कहा कि प्रधान पद की जो जिम्मेदारी मिली है उसे पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

उन्होंने बैठक में शामिल सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और कहा कि सभी को साथ लेकर समिति के कार्य किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मंदिर के वार्षिकोत्सव का 80वां आयोजन आगामी नौ सितंबर से होगा। करीब पांच दिन तक चलने वाले इस आयोजन के दौरान शोभा यात्रा, भजन संध्या, संत सम्मेलन, महाआरती सहित अन्य कार्यक्रम करवाए जाएंगे। इस मौके पर मंदिर सरपरस्त नरेंद्र मदान, गौतम आर्य, लक्ष्मी नारायण काठपालिया, वेद बहल पाशु, पदम खट्टर, नरेंद्र चावला, योगेश रंजन, जितेंद्र ग्रोवर, ताराचंद भूटानी, प्रिंस सेठी, सुंदर वर्मा, भारत भूषण नंदा, केवल अरोड़ा, सुभाष वर्मा, राजेंद्र वधवा, दिनेश दुजाना, सतीश वर्मा, भूषण अग्निहोत्री, मनीष मेहता, प्रदीप काठपालिया, आशीष चावला, गीतांशु चावला सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

अलर्ट **नागरिक अस्पताल में हररोज 40 से 45 मरीज मौसम में बदलाव से संबंधित बीमारियों के आ रहे**

गर्मी बिगाड़ रही लोगों की सेहत, बुखार, उल्टी व दस्त के मरीज बढ़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

लगातार बढ़ रही गर्मी और तेज धूप लोगों की सेहत पर भारी पड़ रही है। गर्म हवाओं और तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी के कारण लोग विभिन्न मौसमी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। स्थानीय नागरिक अस्पताल की ओपीडी में इन दिनों बुखार, खांसी, जुकाम, उल्टी-दस्त और वायरल संक्रमण के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। विभागीय जानकारी के अनुसार प्रतिदिन 40 से 45 मरीज ऐसे पहुंच रहे हैं, जो गर्मी और मौसम में बदलाव से संबंधित बीमारियों से पीड़ित हैं। बच्चों में कमजोरी, चक्कर आना, डिहाइड्रेशन और पेट संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं, जबकि बुजुर्गों में शुगर और बीपी से जुड़ी समस्याएं आ रही हैं। ओपीडी में आने वाले मरीजों में बच्चों और बुजुर्गों की संख्या सबसे अधिक है। जनरल मेडिसिन विशेषज्ञ रोहित गोयल ने बताया कि भीषण गर्मी और बदलते मौसम के कारण वायरल फीवर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। इसके अलावा बच्चों में सर्द-गर्म के प्रभाव से होने वाली बीमारियां तथा उल्टी-दस्त के मामले भी बढ़े हैं।

शरीर में न होने दें पानी की कमी : डॉ. रोहित गोयल

जनरल मेडिसिन विशेषज्ञ रोहित गोयल ने बताया कि इन दिनों उनके पास प्रतिदिन दस से बारह मरीज ऐसे आ रहे हैं जिन्हें भर्ती करना पड़ रहा है। बुखार होने पर मरीजों को ठंडे पानी की पट्टियां लगानी चाहिए तथा शरीर में पानी की कमी नहीं होने देनी चाहिए। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि गर्मी और लू से बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं तथा समय-समय पर ओआरएस का घोल लेते रहें। इसके साथ ही अत्यधिक तले-भुने, मसालेदार और बाहर के खाद्य पदार्थों से परहेज करें। हल्का, पौष्टिक और सुपाच्य भोजन को प्राथमिकता दें।

शुगर व हाई बीपी के मरीज बरतें विशेष सावधानी

डॉक्टर रोहित गोयल के अनुसार शुगर और हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। ऐसे मरीजों को अपनी नियमित दवाइयां समय पर लेनी चाहिए और स्वास्थ्य संबंधी किसी भी परेशानी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हाई बीपी के मरीजों को नमक का सेवन सीमित रखने की भी सलाह दी गई है। उन्होंने बताया कि दोपहर के समय जरूरी कार्य होने पर ही घर से बाहर निकलें। बाहर जाते समय सिर को कपड़े या टोपी से ढकें और बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें, ताकि उन्हें लू और गर्मी से होने वाली बीमारियों से बचाया जा सके।

हरिभूमि
रोहतक, मंगलवार
23 जून 2026

सहेली

प्रेम को कभी परिभाषित नहीं किया जा सकता। प्रेम का तो बस अहसास किया जा सकता है। पति-पत्नी के लिए प्रेम के बहुत अलग और गहरे मायने होते हैं, सिर्फ अपने साथी के लिए जीना, जिम्मेदारियां बांटना, एक-दूसरे का सहारा बनना। पति-पत्नी का प्रेम कभी एकतरफा बोझ नहीं डालता है। प्रेम में 'मैं' नहीं केवल 'हम' होता है। इस तरह के प्रेम में दंपती एकसार होकर अपना जीवन मधुरता और खुशियों से भर लेते हैं।

कवर स्टोरी

डॉ. ऋतु सारस्वत, समाजशास्त्री

प्रेम न बाड़ी उपजै प्रेम न हाट बिकाय

अगर आपसे यह प्रश्न पूछा जाए कि इस दुनिया की सबसे कठिन पहेली क्या है, तो यह प्रश्न शायद आपको थोड़ा उलझा दे! लेकिन देखा जाए तो इस दुनिया की सबसे कठिन पहेली है- प्रेम। आप सोच सकते हैं- प्रेम, जो केवल ढाई अक्षर का है, वह भला कैसे उलझा सकता है? जरा एक पल को रुकिए और सोचिए क्या वाकई प्रेम को समझना इतना आसान है? अगर इस पहेली को सुलझाना इतना सहज-सरल होता, तो निश्चित ही हर प्रेम विवाह सफल होता। अपने आस-पास ही देख लीजिए, हजारों युवा बड़े-बड़े वादों के साथ, कभी माता-पिता की सहमति से तो कभी उनके विरुद्ध जाकर विवाह करते हैं, पर फिर वही प्रेम धीरे-धीरे बिखरने लगता है, और इसके साथ ही बिखरने लगते हैं वादे-कसमें। आखिर प्रेम क्यों बिखरने लगता है? यह प्रश्न हमें उसी पहेली तक वापस ले जाता है, जिसकी बात हमने शुरुआत में की थी।

प्रेम क्या है

सवाल यह है, जिसे हम प्रेम समझते हैं, क्या वह सच में प्रेम है? कई बार वह केवल आकर्षण होता है, जिसे हम प्रेम का नाम दे देते हैं। यहीं से उलझन शुरू होती है। किसी भी रिश्ते में बंधना जितना सहज है, उतना ही मुश्किल है उसे निभाना, विशेषकर जब रिश्ता पति और पत्नी का हो। यह रिश्ता दुनिया में सबसे अलग और सबसे अनूठा होता है, क्योंकि इसे आपने स्वयं चुना होता है। अगर आपका जीवन साथी आपके माता-पिता का चुनाव भी हो तो भी पति-पत्नी के संबंध का सर्वोच्च आधार सिर्फ और सिर्फ प्रेम होता है। वह 'प्रेम' जो ना तो शर्तों पर टिका होता है और ना ही अपेक्षाओं का एकतरफा बोझ डालता है। वह तो निरंतर निर्झर बहने वाली नदी के समान है, जो कभी थमती नहीं। प्रेम देह से ऊपर है, बुद्धि से ऊपर है, दिखावे और प्रसिद्धि से भी बहुत ऊपर है। उसका संबंध केवल हृदय से होता है। हमारे उस छोटे से दिल में, जो भले ही मुट्ठी भर का है, पर अपने भीतर पूरी दुनिया को समेट लेने की क्षमता रखता है। विश्वास कीजिए, प्रेम को किसी परिभाषा में बांधा नहीं जा सकता, इसका कोई तय नियम नहीं होता। प्रेम समर्पण है, अपनापन है और सबसे बढ़कर प्रेम 'मैं' नहीं, 'हम' होता है।

समझिए प्रेम के सही मायने

आप क्या वाकई जानना चाहती हैं कि 'प्रेम' क्या है? तो एक छोटी-सी घटना सुनिए। कुछ दिन पहले अभिनेत्री जाह्नवी कपूर का एक साक्षात्कार देखा, जिसमें वह अपने पिता बोनी कपूर के साथ बैठी थीं। बोनी ने जाह्नवी को बताया कि उनकी मां (अभिनेत्री श्रीदेवी) चाहती थीं कि वह अपना वजन कम करें, इसलिए वह उन्हें टहलने के लिए प्रेरित करती थीं। श्रीदेवी की जिद पर एक दिन वह उनके साथ टहलने जाने के लिए तैयार हो गए। उन्होंने जूते तो पहन लिए, पर झुककर फीते बांधना उनके लिए सहज नहीं था। बिना कुछ कहे ही श्रीदेवी ने उनकी इस परेशानी को समझ लिया और उनके जूतों के फीते बांध दिए। बोनी ने मुस्कुराते हुए कहा, 'अरे, यह तो ढीला है।' जब श्रीदेवी ने दोबारा बांधा, तो उन्होंने फिर कहा, 'यह तो बहुत टाइट हो गया।' यह सिलसिला यूं ही कुछ देर चलता रहा, लेकिन इस पूरे समय श्रीदेवी बिना किसी अधीरता के, मुस्कुराते हुए, हर बार उनके जूतों के फीते ठीक करती रहीं।

इस घटना को पढ़कर आप चौंक गए न! स्वाभाविक भी है, क्योंकि आज की युवा पीढ़ी के लिए, विशेष कर लड़कियों के लिए तो ऐसा कुछ करना उनके आत्मसम्मान के खिलाफ होगा या इससे भी बढ़कर वह इसे पति की गुलामी का नाम देंगी। एक उदाहरण और, बैंकिंग सेक्टर में काम करने वाली अनुराधा को एक दिन किसी कारणवश बैंक जाने में देरी हो रही थी, वह हड़बड़ा गई। तभी उसे यह भी ध्यान आया कि उसके कपड़े प्रेस नहीं हैं। अनुराधा की यह परेशानी उसके चेहरे पर aझलकने लगी। उसके पति, जो एक बड़े सरकारी अधिकारी हैं, बिना उसके कुछ कहे ही उसकी हड़बड़ाहट देखकर सब समझ गए और उसके कपड़ों पर प्रेस कर दिए, बिना कुछ कहे-सुने। अपने साथी की उलझन को समझना और उसे मुस्कुराते हुए सुलझा देना ही प्रेम है। अनुराधा को याद नहीं कि कितनी बार जल्दी में वह खाना छोड़कर निकलना चाहती है, तो पति स्वयं तैयार होते-होते भी उसके मुंह में रोटी का कौर रख देते हैं और कहते हैं, 'घर से भूखे नहीं निकलना चाहिए।' यकीनन बहुत सारे लोगों के लिए यह दृश्य बिल्कुल भी सहज नहीं है, क्योंकि आदमी की जो छवि समाज ने गढ़ी है, यह उसके बिल्कुल विपरीत है। पर सच्चा प्रेम यही तो है, बिना किसी की परवाह किए सिर्फ अपने साथी के लिए जीना। जिम्मेदारियां बांटना, एक-दूसरे को सहारा देना और बिना कुछ कहे एक-दूसरे की पीड़ा को समझना।

प्रेम कब तोड़ता है दम

प्रेम तब दम तोड़ने लगता है, जब हम एक-दूसरे के साथ मुस्कुराना छोड़ देते हैं, एक-दूसरे की परवाह करना छोड़ देते हैं और एक-दूसरे के दर्द को समझने की कोशिश नहीं करते। इसी के साथ जब हमारे भीतर सिर्फ 'मैं' ही प्रमुख हो जाता है, तब रिश्ते के जीवित रहने की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है। हमें यह समझना होगा कि किताबों में लिखी हुई 'नारी स्वतंत्रता', 'नारी मुक्ति' की परिभाषाएं और समाज द्वारा सिखाई गई 'मर्दानगी' की कहानियां प्रेम की गहराई के सामने टिक नहीं पातीं, क्योंकि प्रेम इन सब से बहुत ऊपर होता है।

प्रेम में 'मैं' नहीं 'हम'

'प्रेम' जीवन है, इसे किसी भी वस्तु से खरीदा नहीं जा सकता, ना ही इसे विवश करके पाया जा सकता है। इसे पाने का केवल एक ही रास्ता है, और वह है 'मैं' का त्याग। तो चलिए प्रेम को जीते हैं और 'मैं' को किसी ऐसी गली छोड़ आते हैं, जो कभी 'हम' तक वापस ना आ सके।

क्या आप भी अपने बच्चे का हद से ज्यादा ख्याल रखते हैं

कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को बहुत ज्यादा प्रोटेक्ट करते हैं, इस तरह ओवरप्रोटेक्शन से बच्चों का कॉन्फिडेंस कमजोर होता है। वे अपनी छोटी से छोटी प्रॉब्लम से भी घबरा जाते हैं। आपके बच्चे स्ट्रॉन्ग बनकर जीवन में सफल रहें, इसके लिए जरूरी है उन्हें बहुत ज्यादा लाड़-प्यार ना दें, उन्हें सेल्फ डिपेंड बनाएं। यह उनके व्यक्तित्व विकास के लिए बहुत जरूरी है।

परवरिश

ललिता गोयल

सभी पैरेंट्स यही चाहते हैं कि उनके बच्चे को कभी भी किसी मुश्किल का सामना नहीं करना पड़े। इस चाहत में कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को हद से ज्यादा लाड़-प्यार या ओवरप्रोटेक्ट करते हैं। लेकिन इस तरह ओवरप्रोटेक्शन यानी ओवर पैंपरिंग बच्चों को इंडिपेंडेंट बनने से रोक सकती है। आगे चलकर बच्चे जीवन की चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ हो जाते हैं।

संतुलित रखें अपना लाड़-प्यार: बचपन सिर्फ बच्चों के खेलने, आराम करने और पैरेंट्स की छत्रछाया में सुरक्षित रहने का समय नहीं होता है। यह वह समय भी होता है, जब वे सीखने और मजबूत बनने के प्रोसेस में होते हैं। इस प्रोसेस में अगर हर बार पैरेंट्स बच्चे के लिए सब कुछ कर देंगे, तो बच्चा जीवन के उतार-चढ़ाव को संभालने की क्षमता विकसित नहीं कर पाएगा। बड़ा होकर वह छोटे-छोटे फेलियर से डरने लगेगा या बहुत जल्दी हार मान लेगा, क्योंकि उसने कभी निराशा, इंतजार या संघर्ष को अनुभव ही नहीं किया होता है। कोई भी चीज हद से ज्यादा हो तो फायदे की जगह नुकसान ही पहुंचाती है। इसलिए बच्चों का लाड़-प्यार भी हमेशा संतुलन में होना चाहिए।

बच्चों का विकास रुकता है: बच्चे का ज्यादा ख्याल रखना या ओवर-प्रोटेक्शन, बच्चों के विकास को रोक सकता है। ऐसे बच्चे आत्मनिर्भर नहीं बन पाते, समस्याओं का सामना करने से डरते हैं, चुनौतियों का सामना करने में खुद को असमर्थ महसूस करते हैं। हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान माता-पिता द्वारा किए जाने पर बच्चों को अपनी क्षमता पर संदेह होने लगता है। वे भविष्य में मुश्किल परिस्थितियों में घबरा जाते हैं। ऐसे बच्चे हर काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहने लगते हैं और अपनी उम्र के अनुसार जिम्मेदारियां नहीं सीख पाते।

प्यार जताएं-बिगाड़ें नहीं: बच्चे को आरामदायक माहौल दें लेकिन उनकी हरेक डिमांड पूरी न करें। उसे 'ना' सुनना भी सिखाएं, क्योंकि हर मांग पूरी करने से बच्चे जिद्दी हो सकते हैं। अपनी मांग पूरी करवाने के लिए वे कोई गलत कदम भी उठा सकते हैं।

जिम्मेदारियां सौंपें-आत्मनिर्भर बनाएं: बचपन से बच्चे को आत्मनिर्भर बनाएं। जब बच्चा खेलने के बाद अपने खिलौने समेटने की कोशिश करे, तो उसे समेटने दें। खुद न समेटें, जब पैरेंट्स बच्चे के सारे काम खुद करते हैं या उसे हर परेशानी से बचाते हैं, तो वह कभी-भी अपनी समस्याएं खुद सुलझाना नहीं सीख पाता। जो बच्चे हमेशा सुरक्षित माहौल में रहते हैं, वे जीवन में छोटी-मोटी हार या असफलता का सामना नहीं कर पाते। इसलिए उनकी उम्र के अनुसार उन्हें घर के छोटे-छोटे काम जैसे पौधों में पानी डालना, फ्रिज में पानी की बोतल भर का रखना खुद करने दें। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे।

गलतियों से सीखने दें: बच्चों से कोई गलती होने पर उसे बचाने के बजाय उन्हें अपनी बात रखने दें, अपनी गलतियों के लिए जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित करें। बच्चों को सही गाइडेंस, इमोशनल सपोर्ट और सीमित आजादी के साथ अपने अनुभवों से सीखने का मौका दें। बच्चों को गलतियां करने दें और उनसे सीखने का मौका दें। प्यार का मतलब केवल सुरक्षा देना नहीं, बल्कि बच्चों को उनके आने वाले जीवन के लिए तैयार करना भी होता है।

बच्चों को इमोशनली मजबूत बनाएं: बच्चों को इमोशनली मजबूत बनाना भी उतना ही जरूरी है, जितना उन्हें प्यार और सुरक्षा देना, इसलिए पैरेंट्स को बच्चों को यह सिखाना चाहिए कि असफलता भी जीवन का हिस्सा है। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है।

(साइकोलॉजिस्ट डॉ. श्रुति शर्मा से बातचीत पर आधारित)

गार्डनिंग

अनु आर.

अगर आपके पास गार्डेनिंग के लिए ज्यादा स्पेस नहीं है तो भी अपनी बालकनी में आप मिनी बालकनी गार्डेन बना सकती हैं। इसके लिए क्या करना होगा, जानिए।

हरियाली से भर उठेगा आपका मिनी बालकनी गार्डेन

हालांकि अभी उत्तर और मध्य भारत के राज्यों में मानसून की बारिश शुरू नहीं हुई है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही बारिश शुरू हो जाएगी। पहली बारिश की बूंदें केवल धरती को ही नहीं मन को भी तरोताजा कर देती हैं। यही वह समय होता है, जब पौधे तेजी से बढ़ते हैं। इसीलिए बागवानी का शौक रखने वालों को यह मौसम सबसे अच्छा लगता है। लेकिन शहरों में फ्लैट्स या छोटे मकानों में रहने वाले लोगों के सामने सबसे बड़ी समस्या होती है, किचेन गार्डेन के लिए पर्याप्त जगह का न होना। सवाल है, क्या फिर जिनके पास अपने आंगन में या घर के बाहर किचेन गार्डेन की जगह नहीं है, वे गार्डेनिंग के अपने शौक को मन में ही दबाकर रखें? ऐसा नहीं है। लगभग सभी फ्लैट्स में बालकनी तो होती ही है। आने वाले बारिश के दिनों में यही बालकनी, प्रकृति से जुड़ने का एक आसान जरिया बन सकती है।

मिनी बालकनी गार्डन का ट्रेंड: इन दिनों बड़े शहरों में, खासतौर पर मल्टीस्टोरे अपार्टमेंट्स में मिनी बालकनी मानसून गार्डन का नया चलन तेजी से शुरू हुआ है। इसमें छोटी-सी बालकनी को भी कुछ गमलों, लटकने वाले पौधों और मौसमी सब्जियों के पौधों के जरिए एक प्यारी-सी हरी-भरी दुनिया में तब्दील किया जा सकता है। यह केवल घर की सुंदरता को नहीं बढ़ाता बल्कि आपकी मानसिक शांति, ताजी हवा और ताजा भोजन का स्रोत भी बनता है। आने वाले बारिश के दिन आपके मिनी बालकनी गार्डन को तैयार करने में बहुत सहायक हो सकते हैं।

लगाएं ये पौधे: अगर आप पहली बार अपनी छोटी-सी बालकनी को मानसून गार्डेन में तब्दील कर रही हैं, तो ऐसे पौधों को चुनें, जिनकी देखभाल करनी बहुत आसान है। मसलन तुलसी, पुदीना, हरी धनिया, हरी मिर्च, करीपत्ता। ये पौधे सिर्फ बालकनी की हरियाली में इजाफा नहीं करते बल्कि ये आपकी रसोई में नए-नए स्वादों का इजाफा भी करते हैं। जहां तक फूलों की बात है तो इस मौसम में गेंदा, जिनिया, बालसम और सदाबहार के पौधे अच्छी वृद्धि करते हैं। इनके रंग-बिरंगे फूल बालकनी को हरियाली के साथ रंगीन भी बना देते हैं।

वर्टिकल गार्डेनिंग है ऑप्शन: छोटी बालकनियों में ज्यादा पौधे लगाने के लिए वर्टिकल गार्डेन एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें पौधों को दीवारों, स्टैंड या लटकते गमलों में लगाया जाता है। इस तकनीक में पौधे जगह बहुत कम घेरते हैं। पुराने प्लास्टिक कंटेनर, बोतलें और लकड़ी के बक्सों का रचनात्मक प्रयोग भी वर्टिकल गार्डेन स्टैंड के रूप में किया जा सकता है।

इस बात का रखें विशेष ध्यान: बारिश के पानी में प्राकृतिक उर्वरता होती है। इसलिए इसमें पौधे न सिर्फ खूब हरे भरे रहते हैं बल्कि तेजी से बढ़ते भी हैं। हालांकि लगातार बारिश होने पर पौधों के गमलों में अगर ज्यादा पानी इकट्ठा हो जाए तो उसे तुरंत निकाल देना चाहिए, नहीं तो पौधों को नुकसान होता है।

मिलते हैं ये फायदे: यह छोटा-सा गार्डन हमारे मन को प्रसन्न रखता है, हमारी सोच को सकारात्मक बनाता है और हमें तरोताजगी से भरता है, जिसमें हम थकते नहीं बल्कि उत्साह से भरे रहते हैं। इसकी वजह से घर और भी खूबसूरत दिखता है।

मेकअप

नीलोफर

तेजी से हो रहा पॉपुलर नो-मेकअप लुक

उमस भरी गर्मी का यह मौसम स्किन पर भी प्रभाव डालता है। बार-बार होने वाला पसीना और वातावरण में बढ़ी नमी के कारण चेहरे पर मेकअप टिक नहीं पाता है। इसीलिए इस सीजन के लिए नो-मेकअप लुक का ट्रेंड पॉपुलर हो रहा है।

क्या है नो-मेकअप लुक: नो-मेकअप लुक का मतलब मेकअप बिल्कुल न करना नहीं होता है। इसका मतलब है, त्वचा को इतना स्वस्थ और स्वाभाविक रूप से चमकदार बनाना कि बिना हैवी मेकअप के भी वह आकर्षक दिखाई दे। यह लुक वास्तव में चेहरे की नेचुरल ब्यूटी को उभारता है और त्वचा को सांस लेने का मौका देता है। इसलिए उमस भरी गर्मी और बारिश के दिनों में सुंदर दिखने का सबसे सरल तरीका है, त्वचा की बुनियादी देखभाल पर ध्यान देना।

त्वचा साफ, हाइड्रेटेड हो और स्वस्थ हो तो उसे छुपाने के लिए अधिक मेकअप करने की जरूरत नहीं पड़ती है।

इसलिए हो रहा पॉपुलर: नो-मेकअप लुक इसलिए भी पॉपुलर हो रहा है क्योंकि आज बहुत सारी महिलाएं केवल कॉस्मेटिक्स पर निर्भर रहने की बजाय अपने नेचुरल लुक को स्वीकार करने लगी हैं। जब किसी विशेष अवसर पर थोड़ा मेकअप करना भी हो तो केवल टिंटेड मॉयश्चराइजर, हल्का कॉम्पैक्ट पावडर, मस्कारा और लिप बाम लगाना ही पर्याप्त होता है।

करें प्रॉपर क्लीनिंग: नो-मेकअप लुक के लिए, मेकअप की शुरुआत से पहले चेहरे की सफाई करें। इन दिनों की उमस और आने वाले बारिश के मौसम में भी धूल के साथ नमी, त्वचा के रोमछिद्रों में जमा हो जाती है। इसे हटाने के लिए ऐसा फेशवॉश चुनें, जो त्वचा को साफ करे, लेकिन उसका नेचुरल मॉयश्चर न हटाए। इसके बाद हल्का मॉयश्चराइजर लगाएं। उमस में नमी की कमी होने पर त्वचा और अधिक तेल बनाने लगती है, इसलिए ऑयल फ्री मॉयश्चराइजर बेहतर विकल्प है।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं: अभी तो तेज धूप हो ही रही है, बारिश के मौसम में भी बादलों के पीछे छिपा सूरज त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए घर से बाहर निकलते समय सनस्क्रीन का नियमित उपयोग करना चाहिए। यह त्वचा को टैनिंग, पिग्मेंटेशन और समय से पहले बूढ़ा दिखने से बचाती है। सनस्क्रीन नो मेक-अप ग्लो को बरकरार रखने में मददगार होती है।

ये उपाय भी हैं कारगर: इस उमस भरे मौसम में कुछ सरल उपाय से आपको नो-मेकअप लुक कैरी करने में मदद मिलती है। जैसे दही और बेसन का फेस पैक त्वचा की सफाई करता है। शहद त्वचा को नमी प्रदान करता है, जबकि गुलाब जल ताजगी का एहसास देता है। हालांकि किसी भी घरेलू उपाय का उपयोग करने से पहले त्वचा की संवेदनशीलता का ध्यान रखना चाहिए। जो उपाय किसी पर अच्छा असर देता है, जरूरी नहीं कि दूसरे पर भी वही परिणाम दे।

मेडिकल एडवाइस

डॉ. रेनू अग्रवाल

गायनेकोलॉजिस्ट

बढ़ती उम्र में सभी महिलाओं, खासतौर पर सिंगल वूमेन को अपनी हेल्थ को लेकर कॉन्शस रहना चाहिए। आपके भीतर पनप रही किसी बीमारी का शुरुआती स्टेज में ही पता चल जाए, इसके लिए रेग्युलर कुछ चेकअप और टेस्ट कराना जरूरी है। कौन से हैं ये टेस्ट, आपको जरूर जानना चाहिए।

सिंगल वुमेन न बरतें लापरवाही जरूर करवाएं ये मेडिकल टेस्ट

अधिकांश महिलाएं पूरे घर के लोगों की सेहत का ध्यान रखती हैं लेकिन जब अपनी सेहत की देखभाल की बारी आती है तो वे खुद को अकसर इग्नोर करती हैं। फैमिली के साथ रहने वाली महिलाओं का ध्यान रखने के लिए तो फिर भी अन्य सदस्य होते हैं लेकिन सिंगल वुमेन (जो शादी नहीं करतीं या तलाक ले चुकी हैं या विडो हैं) में उम्र बढ़ने पर अकेलेपन के कारण तनाव का स्तर बढ़ने लगता है, जिससे उनमें कई हेल्थ इश्यूज होने की आशंका तक बढ़ जाती है। इसलिए सिंगल वुमेन को समय-समय पर जरूरी मेडिकल टेस्ट अवश्य करवाते रहना चाहिए ताकि बीमारी का पता चलने पर उसका समय रहते उपचार कराया जा सके।

पैप स्मीयर टेस्ट: यह टेस्ट सर्वाइकल कैंसर यानी गर्भाशय के कैंसर का पता लगाने के लिए सबसे प्राथमिक और प्रभावी तरीका होता है। इस टेस्ट को 21 वर्ष की आयु के बाद हर 3 साल में जरूर करवाना चाहिए।

बोन डेंसिटी टेस्ट: बोन डेंसिटी टेस्ट में एक विशेष प्रकार के एक्स-रे के द्वारा स्पाइन, कलाइयों, कूल्हों की हड्डियों की डेंसिटी मापकर इनकी शक्ति का पता लगाया जाता है ताकि हड्डियों के कमजोर होने या टूटने से पहले ही उनका उपचार किया जा सके।

ब्रेस्ट कैंसर स्क्रीनिंग-मैमोग्राम : इस टेस्ट से ब्रेस्ट कैंसर होने का पता लगाया जाता है। इस टेस्ट को 40 वर्ष की आयु से हर 1 या 2 साल में डॉक्टर की सलाह पर करवाना चाहिए। इस टेस्ट में क्लीनिकल ब्रेस्ट एग्जामिनेशन (सीबीई) में स्तन कैंसर की जांच की जाती है।

ब्लड प्रेशर टेस्ट: हार्ट को हेल्दी रखने के लिए नियमित रूप से ब्लड प्रेशर की जांच बहुत जरूरी होती है। अगर ब्लड प्रेशर 140/90 से अधिक है तो दिल पर दबाव पड़ता है, जिससे ब्रेन स्ट्रोक, हार्ट अटैक और किडनी फेल होने की आशंका बढ़ जाती है। यह टेस्ट साल में 1 बार जरूर कराएं।

थायरॉइड फंक्शन टेस्ट: महिलाओं में थायरॉइड असंतुलन की समस्या बहुत आम है, जिससे उनका वजन, मूड और पीरियड्स प्रभावित होते हैं। यह टेस्ट साल में एक बार करवाना चहिए।

ब्लड शुगर टेस्ट: 35 वर्ष की उम्र के बाद हर 3 साल में सिंगल वुमेन को फास्टिंग ब्लड शुगर और एचबीए1सी टेस्ट जरूर करवाना चाहिए। इस टेस्ट से रक्त में शुगर के स्तर का पता लगाया जाता है।

ओवेरियन सिस्ट टेस्ट: पेट के निचले हिस्से में दर्द, अनियमित मासिक धर्म, पीरियड्स के दौरान अत्यधिक ब्लीडिंग हो तो ओवेरियन सिस्ट का टेस्ट कराना चाहिए। छोटे आकार के सिस्ट अपने आप ठीक हो जाते हैं। सिस्ट 1 इंच से बड़ा हो तो ओवेरियन कैंसर होने की आशंका होती है।

कोलेस्ट्रॉल स्क्रीनिंग टेस्ट: इस टेस्ट से दिल की बीमारियों की चपेट में आने की संभावना का पता चलता है। यह टेस्ट 3 वर्ष में 1 बार करा लेना चाहिए। रक्त में कोलेस्ट्रॉल का स्तर सामान्य से अधिक आता है, तो हर 6 से 12 महीने में यह टेस्ट कराना चाहिए।

प्रस्तुति: ललिता गोयल

सफाई कर्मचारियों ने शहर में झाड़ू प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

कर्मचारी नेता बोले- 22 मांगों पर बातचीत हुई थी, जिनमें से 17 मांगों पर सहमति बनी थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

नगर पालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर सोमवार को प्रदेशव्यापी झाड़ू प्रदर्शन के तहत बहादुरगढ़ में भी सफाई कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ नाराजगी जताते हुए नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के तहत कर्मचारी सुबह 11 बजे इंदिरा पार्क में एकत्रित हुए और हाथों में झाड़ू लेकर रेलवे रोड से होते हुए नगर परिषद कार्यालय पहुंचे। यहां कर्मचारियों ने कार्यकारी अधिकारी संजय रोहिल्ला को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए जल्द मांगों को लागू करने की मांग की। इकाई प्रधान राजेश बालगुहेर की अध्यक्षता व अमित के संचालन में राज्य संगठनकर्ता राजपाल, जिला प्रधान राजेंद्र तूषामड, जिला ऑडिटर संदीप टॉक, इकाई उप प्रधान ऊषा देवी, सुनीता, सोनू, कुलदीप दरोगा, संजय, प्रमिला, सुनील, सोमपाल, अनिता आदि ने इस प्रदर्शन में भाग लिया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि 1 से 14 मई तक चली हड़ताल के दौरान सरकार और कर्मचारी संगठनों के बीच 22 मांगों पर बातचीत हुई थी, जिनमें से 17 मांगों पर सहमति बन गई थी।

कर्मचारी सुबह 11 बजे इंदिरा पार्क में हुए एकत्रित

बहादुरगढ़। सोमवार को प्रदर्शन करते नगर परिषद के सफाईकर्मी।

बहादुरगढ़। ईओ संजय रोहिल्ला को ज्ञापन सौंपते कर्मचारी नेता।

सहमति के बावजूद आदेश न होने पर कर्मचारियों में रोष

कर्मचारियों का आरोप है कि सहमति बनने के बावजूद सरकार अब तक संबंधित आदेश और पत्र जारी नहीं कर रही है, जिससे सफाई कर्मचारियों में भारी रोष है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने जल्द ही सहमति अनुसार आदेश जारी नहीं किए तो प्रदेशभर के कर्मचारी आंदोलन को तेज करने पर मजबूर होंगे। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि मांगों की अनदेखी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की और अपनी मांगों को शीघ्र पूरा करने की मांग दोहराई।

झज्जर। लंबित मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए सफाई कर्मचारी।

लंबित मांगों को लेकर सफाई कर्मचारियों ने की नारेबाजी

समझौते में मानी गई मांगों के संबंध में अभी तक कोई पत्र जारी न होने से कर्मचारियों में रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

नगर परिषद सफाई कर्मचारी यूनियन सदस्यों द्वारा अपनी पिछले माह के लंबित वेतन व करीब एक साल से बकाया तेल व साबुन जैसी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया। नगर परिषद के सफाईकर्मी शहर की यादव धर्मशाला के पास एकत्रित हुए। यहां से जुलूस की शक्ल में सरकार विरोधी नारे लगाते हुए वे नगर परिषद कार्यालय तक पहुंचे।

यहां पहुंच कर उन्होंने सरकार व नगर परिषद अधिकारियों के खिलाफ नारे लगाए। इसके बाद सैनेटरी इंस्पेक्टर आनंद मलिक को ज्ञापन सौंपा। नगर परिषद के सफाई यूनियन के इकाई प्रधान शिवम चांवरिया ने बताया कि उन्हें जहां एक माह से वेतन नहीं मिला वहीं उन्हें माह मिलने वाला तेल व साबुन भी पिछले करीब एक वर्ष से न मिलने के कारण कर्मचारियों में रोष है। इसके अलावा मई माह में चली हड़ताल के बाद हुए समझौते में मानी गई मांगों के संबंध में भी सरकार द्वारा आज तक कोई पत्र जारी नहीं किया गया। कर्मचारियों ने बताया कि इसी विरोध के चलते वे आगामी एक व दो जुलाई को जहां उल्टी झाड़ू प्रदर्शन करेंगे तथा अपनी मांगों के लिए आवाज उठाएंगे। इस मौके पर विकास उज्जैनवाल, गौरव, कृष्ण, सुरेश, जितेंद्र, विकास, अमित, शिब्बू, टिंकू, सूरज, शीतल, कमलेश, बबली, मनीषा, अंजू, किरण, गीता, बबीता, महेश, कृष्ण, अनिल सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

झज्जर। सैनेटरी इंस्पेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए सफाई कर्मचारी।

डी पार्क के अग्निकांड पीड़ितों को अभी तक मुआवजा नहीं

रोहतक। नौ जून को डी पार्क स्थित पुराने बाजार में लगी भीषण आग को दो सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अग्निकांड में सब कुछ गंवा चुके दुकानदार आज भी राहत और मुआवजे का इंतजार कर रहे हैं। करीब 50 वर्ष पुराने इस बाजार से न केवल सैकड़ों परिवारों की आजीविका जुड़ी रही है, बल्कि शहरवासियों की अनगिनत यादें भी यहां बसती हैं। आग की घटना में 12 दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गई थीं, जबकि तीन लोगों की दर्दनाक मौत ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया था। घटना के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके का दौरा कर पीड़ितों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया था।

सुंदरकांड पाठ में किया भगवान श्रीराम की महिमा का गुणगान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। सुंदरकांड पाठ करते हुए मंडली सदस्य।

क्षेत्र के गांव भदाना में सोमवार को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। पंडित सुरेश के निवास पर आयोजित पाठ के दौरान गांव की सुंदरकांड मंडली द्वारा सामूहिक गायन करते हुए गांव की सुख-समृद्धि की कामना की गई। इस दौरान गायक कलाकारों द्वारा भजनों के माध्यम से भगवान श्रीराम व बजरंगबली की महिमा गुणगान भी किया गया। इस मौके पर अमित शर्मा, आचार्य धर्मेंद्र शर्मा, गोपाल शर्मा, धर्मदास शर्मा, भूगोल प्राध्यापक मुकेश शर्मा सुरेश वशिष्ठ सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

किसान मजदूर उत्थान मोर्चा ने पीएम को ज्ञापन भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

किसान मजदूर उत्थान मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को एसडीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन भेजा। नायब तहसीलदार को सौंपे ज्ञापन के जरिए संगठन ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते और कृषि क्षेत्र पर इसके संभावित नकारात्मक प्रभावों को लेकर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है।

ज्ञापन सौंपने के दौरान सुमित छिकारा, दिलबाग दलाल, सुरजीत डाबोदा, सतवीर दहिया और प्रदीप पांडे ने बताया कि प्रोसेस्ड फूड के बिना शर्त आयात से स्थानीय लघु उद्योगों और प्रसंस्करण इकाइयों पर बुरा असर पड़ेगा और विदेशी उत्पादों की डंपिंग बढ़ सकती है। कृषि क्षेत्र में विदेशी कंपनियों के प्रवेश से ग्रामीण क्षेत्र में अकुशल श्रमिकों और छोटे किसानों के रोजगार छिनने का खतरा पैदा हो सकता है। व्यापार समझौतों में बड़ी वैश्विक कंपनियों की लॉबिंग से भारतीय किसानों के हितों के प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। उन्होंने मांग की है कि किसी भी समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले सरकार उसकी इम्पैक्ट असेसमेंट रिपोर्ट सार्वजनिक करे। सरकार से रूल ऑफ ओरिजिन को सख्ती से लागू करने, समझौते में सेफगार्ड क्लॉज को शामिल करने और व्यापार वार्ता में किसान संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल करने का आग्रह किया गया है, ताकि किसानों की जमीनी हकीकत को नजरअंदाज न किया जाए। उम्मीद जताई कि सरकार भारत की खाद्य स्वायत्तता को सुरक्षित रखते हुए इस ज्ञापन का संज्ञान लेगी और किसान संगठनों के साथ सीधा संवाद स्थापित करेगी।

बहादुरगढ़। नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपते मोर्चा के प्रतिनिधि।

जिला स्तरीय समाधान शिविर में एडीसी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

झज्जर। जिला स्तरीय समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनते हुए एडीसी जगनिवास।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में एडीसी जगनिवास ने लोगों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं के जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जनसमस्याओं का त्वरित निवारण करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को अलग-अलग विभागों के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते, बल्कि एक ही स्थान पर उनकी समस्याओं की सुनवाई और समाधान की प्रक्रिया शुरू हो जाती है।

रेस्टोरेंट की आग ने खाक कर दिया जिम, संचालिका की आंखों में आंसू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सेक्टर-3 मार्केट स्थित एक्सिस बैंक भवन में रविवार सुबह लगी भीषण आग ने एक जिम संचालिका की वर्षों की मेहनत को कुछ ही घंटों में राख में बदल दिया। तीसरी मंजिल पर संचालित रेस्टोरेंट में लगी आग तेजी से फैलते हुए दूसरी मंजिल पर स्थित जिम और साथ लगती लाइब्रेरी तक पहुंच गई। हादसे में जिम की महंगी मशीनें, उपकरण और अन्य सामान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। जिम संचालिका रेणुका ने आरोप लगाया कि रेस्टोरेंट संचालक और भवन मालिक की लापरवाही के कारण उन्हें करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने सुबह ही रेस्टोरेंट भवन मालिक को बता दिया था कि रेस्टोरेंट से धुआं निकल रहा है। उन्होंने उसे हल्के में लिया और बोले की आग तो लगती रहती है। अगर समय रहते कार्रवाई की जाती तो आग पर शुरुआती स्तर पर ही काबू पाया जा सकता था।

सेक्टर-3 में आग

जानकारी के अनुसार, सेक्टर-3 मार्केट में स्थित भवन के भूतल पर एक्सिस बैंक संचालित है, जबकि दूसरी मंजिल पर जिम और तीसरी मंजिल पर रेस्टोरेंट व कैफे चल रहा था। रविवार सुबह करीब सात बजे रेस्टोरेंट में रखे एक फ्रीज से धुआं निकलता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दोपहर तक पूरे फ्लोर को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि रेस्टोरेंट के साथ-साथ लाइब्रेरी की छत और नीचे स्थित जिम भी इसकी चपेट में आ गए।

जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में 85.19 प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची को त्रुटिरहित और पारदर्शी बनाने के लिए एसआईआर का कार्य तेज गति से चल रहा है। जिले में सोमवार सांय छह बजे तक 85.19 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का वितरण किया जा चुका है। अधिकारी शत प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरण करवाना सुनिश्चित करें। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने वीसी के माध्यम से अधिकारियों के साथ एसआईआर कार्य की प्रगति को लेकर समीक्षात्मक बैठक करते हुए यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले का कोई भी योग्य नागरिक मतदाता बनने से वंचित न रहे और किसी भी अयोग्य व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो पाए। इसी उद्देश्य को लेकर एसआईआर गणना प्रपत्र अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी चारों निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं के पंजीकरण और सत्यापन के लिए कुल 807 बीएलओ को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 233, बादली विधानसभा क्षेत्र में 198, झज्जर विधानसभा क्षेत्र में 190 और बेरी विधानसभा क्षेत्र में 186 बीएलओ अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। इसके अलावा राजनीतिक दलों के 1385 बूथ लेवल एजेंट भी प्रक्रिया में सहयोग कर रहे हैं।

झज्जर। वीसी के माध्यम से एसआईआर कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीसी वर्षा खांगवाल।

एसडीएम ने शिकायतों के समाधान के दिए निर्देश

झज्जर। समाधान शिविर में आमजन की शिकायतें सुनते एसडीएम रेणुका नांदल।

झज्जर। उपमंडल बेरी में सोमवार को एसडीएम रेणुका नांदल की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें एसडीएम ने नागरिकों की शिकायतें सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके शीघ्र एवं संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी पूरी संवेदनशीलता, जवाबदेही और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करें ताकि नागरिकों का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो।

मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर एसआईआर की प्रगति का लिया जायजा

वोटर को गणना प्रपत्र भरने की प्रक्रिया भी समझाएं बीएलओ : खांगवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने सोमवार को एसआईआर के तहत शहर के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर एसआईआर की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने सेक्टर-6 व लाइनपार क्षेत्र के बूथ पर पहुंचकर बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर किए जा रहे गणना प्रपत्र वितरण, फॉर्म संग्रहण तथा मतदाताओं के विवरण अपडेट करने संबंधी कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। इस दौरान एसडीएम बहादुरगढ़ अभिनव सिवाच भी उनके साथ मौजूद रहे। डीसी वर्षा खांगवाल ने बीएलओ को निर्देश दिए कि इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए और प्रत्येक पात्र मतदाता तक व्यक्तिगत रूप से पहुंच बनाकर गणना प्रपत्र उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि बीएलओ मतदाताओं को फॉर्म भरने की प्रक्रिया भी सरल भाषा में समझाएं ताकि किसी प्रकार की त्रुटि न रहे। उन्होंने निरीक्षण के दौरान प्रत्येक बूथ पर बीएलओ से अब तक वितरित किए गए गणना प्रपत्रों, वापस प्राप्त हुए फॉर्म तथा शेष कार्य की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों से कहा कि जिन मतदाताओं से पहली बार संपर्क नहीं हो पाया है, उनके घर दोबारा जाकर फॉर्म उपलब्ध कराएं और समय सीमा के भीतर सभी प्रपत्र प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

बहादुरगढ़। सोमवार को बूथ पर बीएलओ से जानकारी लेती डीसी वर्षा खांगवाल।

एसडीएम ने कई बूथों का किया निरीक्षण

बहादुरगढ़। एसडीएम अभिनव सिवाच ने सोमवार को शहर के विवेकानंद नगर और किला मोहल्ला में चल रहे एसआईआर अभियान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न बूथों का दौरा कर मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और मौके पर मौजूद सुपरवाइजरों तथा बूथ लेवल अधिकारियों से अभियान के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान एसडीएम अभिनव सिवाच ने बीएलओ से घर-घर जाकर किए जा रहे सत्यापन कार्य, नए मतदाताओं के पंजीकरण, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने तथा मतदाता सूची में सुधार से संबंधित प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से प्राप्त आवेदनों के निस्तारण और अभिलेखों के रखरखाव की स्थिति भी जांची। अभिनव सिवाच ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुनरीक्षण कार्य पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए।

डीपीएस स्कूल और आईटीआई में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

नशे से दूर रहने के लिए किया प्रेरित

एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति किया जागरूक

नशा मुक्ति टीम के सदस्य एसआई सत्यप्रकाश ने नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी। उनके अनुसार प्रत्येक युवा का दायित्व है कि वह स्वयं नशे से दूर रहे और दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

सोमवार को डीपीएस स्कूल तथा आईटीआई में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। डीपीएस में हरियाणा बटालियन एनसीसी रोहतक द्वारा आयोजित एनसीसी कैंप तथा आईटीआई बहादुरगढ़ में मेजर बृजेश कुमार की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में नशा मुक्ति टीम के सदस्य एसआई सत्यप्रकाश ने एनसीसी कैडेट्स एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया। उन्होंने नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक दुष्परिणामों की विस्तार से जानकारी दी। उनके अनुसार प्रत्येक युवा का दायित्व है कि वह स्वयं नशे से दूर रहे और दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करे।

बहादुरगढ़। डीपीएस में एनसीसी कैडेट्स के साथ एसआई सत्यप्रकाश व अन्य। फोटो : हरिभूमि

बहादुरगढ़। नशामुक्ति को लेकर बनाए स्लोगन दिखाती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

छात्राओं ने स्वस्थ जीवन अपनाने का दिया संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

- वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में छात्राओं ने स्लोगन बनाकर जागरूकता अभियान चलाया

वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय में 17 जून से शुरू हुए नशामुक्ति सप्ताह के छठे दिन सोमवार को छात्राओं ने स्लोगन बनाकर जागरूकता अभियान चलाया। छात्राओं ने स्वयं द्वारा तैयार नशामुक्ति संबंधी स्लोगनों को अपने आसपास प्रदर्शित कर लोगों को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवन अपनाने का संदेश दिया।

प्रचार्या डॉ. राजवंती शर्मा ने छात्राओं के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे जैसी बुराई से दूर रहकर अपनी ऊर्जा को शिक्षा, खेल, योग एवं रचनात्मक कार्यों में लगाना चाहिए। उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे न केवल स्वयं नशे से दूर रहें बल्कि समाज में भी जागरूकता फैलाने का कार्य करें ताकि एक स्वस्थ एवं सशक्त भारत का निर्माण किया जा सके। नशामुक्ति सेल प्रभारी डॉ. शालू शर्मा ने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नशा शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक समस्याओं को जन्म देता है तथा युवाओं के भविष्य को प्रभावित करता है। एनएसएस प्रभारी डॉ. नेहा ने कहा कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह नशामुक्त समाज के निर्माण में अपना योगदान दे। कार्यक्रम में छात्राओं ने नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प दोहराया।

बहादुरगढ़। वैश्य कॉलेज में पंजीकरण करवाने पहुंची छात्रा। फोटो : हरिभूमि

कॉलेजों में एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन जारी

बहादुरगढ़। उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा स्नातक कक्षाओं में प्रवेष के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 30 जून करने के बाद कॉलेजों में पंजीकरण करवाने का क्रम जारी है। वैश्य आर्य कन्या महाविद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. राजवंती शर्मा ने कहा कि जिन छात्राओं ने स्नातक प्रथम वर्ष में एडमिशन के लिए पंजीकरण नही करवाया हैं। वे ऑनलाइन एडमिशन पोर्टल पर अपना पंजीकरण करवा लें। महाविद्यालय में छात्राओं को निःशुल्क पंजीकरण की सुविधा प्रदान की जा रही है। इसके अलावा हेल्पडेस्क पर उन्हें उचित मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है।

झज्जर। रोडवेज वर्कशॉप परिसर में उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

पेस ग्रुप के विद्यार्थियों व शिक्षकों ने लिया योग कार्यक्रम में भाग

झज्जर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रोडवेज वर्कशॉप में आयोजित योग कार्यक्रम में पेस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के 150 से अधिक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने भाग लेकर सामूहिक योगाभ्यास किया। पेस ग्रुप के निदेशक जय विकास ने कहा कि योग स्वस्थ, सुखी एवं सफल जीवन का आधार है तथा विद्यार्थियों को इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

लेफ्टिनेंट बने राकेश काजला को ग्राम पंचायत ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। लेफ्टिनेंट राकेश काजला को सम्मानित करती सरपंच व अन्य।

भारतीय सेना में सेवाएं देने वाली गांव सोलधा निवासी काजला परिवार की तीसरी पीढ़ी के प्रतिनिधि राकेश काजला के लेफ्टिनेंट बनने पर ग्राम पंचायत द्वारा सम्मानित किया गया। बता दें कि राकेश के दादा रणधीर सिंह, पिता अरुण काजला के अलावा उनके ताऊ रामनिवास काजला भी सेना में सूबेदार के पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में नियुक्ति मिलने के बाद सोलधा की ग्राम पंचायत द्वारा राकेश काजला को सम्मानित किया गया। सरपंच लक्ष्मी प्रदीप काजला ने कहा कि राकेश की यह उपलब्धि पूरे गांव और क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। एसआई सत्यप्रकाश राणा और भाजपा नेता प्रदीप राठी ने कहा कि उनकी सफलता अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी और अधिक से अधिक युवा देश सेवा के लिए सेना में जाने का संकल्प लेंगे। विदित है कि देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी में आयोजित 158वें रेगुलर कोर्स और 141वें टेक्निकल ग्रेजुएट कोर्स की पासिंग आउट परेड के दौरान राकेश को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया गया था। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत राकेश काजला ने बताया कि उनका लक्ष्य केवल सैनिक बनना नहीं, बल्कि सेना में अधिकारी के रूप में सेवा देना था। उन्होंने सिपाही के बाद सेना में लांस नायक, नायक और फिर हवलदार तक का सफर तय किया।

योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाएं: डॉ. शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

वैश्य आर्य शिक्षण महिला महाविद्यालय की आउटरीच समिति द्वारा गोद लिए गए गांव सांखोल के खेल स्टेडियम में आयोजित 15 दिवसीय योग पखवाड़ा सोमवार को संपन्न हुआ। प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में आयोजित समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रधान सुखबीर राठी, अमित राठी तथा संघर्षशील जन कल्याण सेवा समिति के सदस्य संजय कलसन उपस्थित रहे।

प्राचार्या डॉ. आशा शर्मा ने सभी अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया। योग पखवाड़े में नियमित रूप से भाग लेने वाली सरोज, सुनीता, साक्षी, सरोजिनी तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी पौधे भेंट किए गए। योग पखवाड़े के दौरान महाविद्यालय की शारीरिक शिक्षा प्रवक्ता सुनीता रानी ने बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान एवं स्वास्थ्यवर्धक क्रियाओं का नियमित अभ्यास कराया। डॉ. आशा शर्मा ने कहा कि नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से सशक्त बनाता है। उन्होंने योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने तथा पौधरोपण अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। ग्रामीणों ने भी महाविद्यालय एवं आउटरीच समिति के प्रयासों की सराहना की। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। एथलेटिक कोच सुनील कुमार का प्रतिदिन सहयोग करने के लिए आभार व्यक्त किया।

बहादुरगढ़। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देती प्रिंसिपल डॉ. आशा शर्मा व अन्य।

डॉ. किरण छिल्लर ने केंद्रीय मंत्री व अक्षय कुमार के साथ किया योग

बहादुरगढ़। फिट इंडिया एम्बेसडर तथा मिसेज इंडिया-2019 डॉ. किरण छिल्लर ने केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया तथा बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता अक्षय कुमार के साथ योगाभ्यास कर योग और फिटनेस के प्रति लोगों को प्रेरित किया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में हुआ था। बहादुरगढ़ निवासी डॉ. किरण छिल्लर लंबे समय से फिट इंडिया अभियान, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य जागरूकता एवं नशा मुक्त भारत जैसे सामाजिक अभियानों से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने युवाओं से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

बहादुरगढ़। केंद्रीय मंत्री के साथ योगाभ्यास करती डॉ. किरण छिल्लर। फोटो : हरिभूमि

श्रद्धालुओं में बांटा कढ़ी-चावल का प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर के दिल्ली रोहतक रोड पर गणपति धाम के सामने आयोजित धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं के लिए कढ़ी-चावल के प्रसाद का वितरण किया गया।

मीनाक्षी जैन, पूजा जैन, आयुष जैन, ऋचा जैन, नीतिका जैन, करुणा गुप्ता, मानसी गुप्ता, नीतू गोयल, रेखा सैनी, पिंकी अग्रवाल, प्रितिश शर्मा, पूजा सिंघल, प्रियंका जैन, ज्योति गर्ग, प्रीति दुआ, मोनिका जैन, मनीषा छिल्लर, शिल्पा बंसल, राधिका बियानी, मीनाक्षी, ऋतु गुप्ता, संध्या, पीयूष जैन व युवराज अग्रवाल आदि ने सेवा कार्य में हिस्सा लिया। साथ ही भविष्य में भी जनसेवा एवं धार्मिक गतिविधियों को इसी प्रकार जारी रखने का संकल्प लिया।

बहादुरगढ़। डॉ. सतीश पूनिया को बधाई देते स्थानीय नेता। फोटो : हरिभूमि

पूनिया को सांसद बनने पर दी बधाई

बहादुरगढ़। भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया को राजस्थान से राज्यसभा सांसद बनाए जाने पर पूर्व पार्षद युवराज छिल्लर, पूर्व पार्षद महेंद्र, संजय जून और प्रॉपर्टी डीलर एसोसिएशन के प्रधान बलराज बल्ली ने उन्हें बधाई दीं। युवराज छिल्लर ने कहा कि डॉ. सतीश पूनिया की कार्यशैली, नेतृत्व क्षमता और संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें राज्यसभा भेजा जाना भाजपा नेतृत्व का सराहनीय निर्णय है। बलराज दलाल ने कहा कि राज्यसभा सदस्य बनने पर डॉ. पूनिया राजस्थान और हरियाणा के विकास से जुड़े मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाएंगे।

चिमनी गांव में निकाली गई भव्य कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

सोमवार को क्षेत्र के गांव चिमनी में आस्था और श्रद्धा का अनूठा संगम देखने को मिला। गांव के प्राचीन शिव मंदिर में शिव परिवार की प्रतिमा स्थापना एवं धार्मिक अनुष्ठान के उपलक्ष्य में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। गांव चिमनी का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व अत्यंत विशेष माना जाता है। मान्यता है कि यह गांव चमन ऋषि और कण्व ऋषि की तपोस्थली रहा है। गांव में स्थित प्राचीन शिव मंदिर आज भी इस गौरवशाली इतिहास और धार्मिक विरासत का साक्षी बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव की स्थापना के समय से ही यहां शिव मंदिर विद्यमान है और समय-समय पर इसका जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य होते रहे हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चारण एवं विधि-विधान से शिव परिवार की पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके पश्चात मंदिर समिति और गांव के युवाओं के सहयोग से प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम आयोजित किया गया। धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। कलश यात्रा में महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर भक्ति गीतों और जयकारों के साथ पूरे गांव की परिक्रमा की। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोषों से वातावरण भक्तिमय हो गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया और धार्मिक अनुष्ठान की सफलता की कामना की।

- शिव परिवार की प्रतिमा स्थापना को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह

झज्जर। गांव में निकाली गई भव्य कलश यात्रा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

महिला एवं बाल विकास विभाग ने पोषण व स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

मातन में हुई गर्भवती महिलाओं की गोद भराई

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव मातन स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से सोमवार को गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग की परियोजना सुपरवाइजर प्रीति ने प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान पांच गर्भवती महिलाओं की पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गोद भराई की गई और उन्हें स्वस्थ गर्भावस्था के लिए शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर महिलाओं को नियमित स्वास्थ्य जांच, समय पर टीकाकरण, संतुलित एवं पौष्टिक आहार तथा गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों के बारे में जानकारी दी गई। परियोजना सुपरवाइजर प्रीति ने महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना की विस्तार से जानकारी दी। साथ ही पात्र महिलाओं के योजना संबंधी आवेदन पत्र भी भरवाए गए।

उन्होंने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना है। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं और ग्रामीणों को कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ जागरूक किया गया। सभी को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश देते हुए कन्या भ्रूण हत्या न करने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान महिलाओं ने भी बेटियों के सम्मान और उनकी शिक्षा को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

बहादुरगढ़। मातन में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई करती प्रीति। फोटो : हरिभूमि

एपीसीपीएल को मिला जीएमएफ स्पॉटलाइट फ्लाई ऐश यूटिलाइजेशन अवॉर्ड

झज्जर। अरावली पावर कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को ग्रीन मेपल फाउंडेशन द्वारा जीएमएफ स्पॉटलाइट फ्लाई ऐश यूटिलाइजेशन अवार्ड, प्लेटिनम श्रेणी से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान फ्लाई ऐश के प्रभावी उपयोग, पर्यावरण संरक्षण तथा सतत विकास के क्षेत्र में कंपनी के उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया। फ्लाई ऐश कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों में विद्युत उत्पादन के दौरान उत्पन्न होने वाला एक सूक्ष्म अवशेष है। जिसका उपयोग सीमेंट निर्माण, ईंट निर्माण, सड़क एवं राजमार्ग निर्माण, खदानों के भराव तथा अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं में व्यापक रूप से किया जाता है। फ्लाई ऐश के प्रभावी उपयोग से प्राकृतिक संसाधनों की खपत कम होती है, भूमि पर इसके भंडारण की आवश्यकता घटती है तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है। इसके साथ ही, यह सतत विकास और स्वच्छ पर्यावरण के लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर एपीसीपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिलीप कैबोर्ता ने सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि कर्मचारियों की सामूहिक प्रतिबद्धता, मेहनत और समर्पण का परिणाम है।

झज्जर। अवॉर्ड लेते हुए एपीसीपीएल अधिकारी। फोटो : हरिभूमि